



# उत्तराखण्ड

पुलिस उप निरीक्षक (SI)

Uttarakhand Police Recruitment Board

भाग - 2

सामान्य ज्ञान



# उत्तराखण्ड पुलिस उप निरीक्षक (SI)

## विषय सूची

### भारतीय इतिहास

#### I. प्राचीन इतिहास

1.	प्रागैतिहासिक काल	1
2.	शिन्धु घाटी सभ्यता	2
3.	वैदिक सभ्यता	5
4.	बौद्ध धर्म एवं जैन धर्म	9
5.	महाजनपद काल	11
6.	मौर्य काल	13
7.	मौर्योत्तर काल	15
8.	गुप्त काल	16
9.	गुप्तोत्तर काल	18

#### II. मध्यकालीन भारत

1.	भारत पर मुस्लिम आक्रमण	21
2.	सल्तनत काल	21
3.	मुगल काल	26
4.	भक्ति एवं सूफी आन्दोलन	31
5.	मराठा उदभव	33

#### III. आधुनिक भारत का इतिहास

1.	भारत में यूरोपीयन कम्पनियों का आगमन	35
2.	बंगाल और अंग्रेज	37
3.	मराठा शक्ति का उत्कर्ष	37
4.	अंग्रेजों की भू-राजस्व नीतियाँ	39
5.	आंग्ल-मैसूर संघर्ष	40
6.	आंग्ल-सिक्ख संघर्ष	41
7.	गवर्नर जनरल	42
8.	भारत के वायसराय	44
9.	1857 की क्रांति	46

10.	धर्म एवं समाज सुधार आन्दोलन	47
11.	राष्ट्रीय आन्दोलन	49
12.	गाँधी युग	53
13.	भारत में क्रान्तिकारी संगठन	60

## भारतीय संविधान

1.	संविधान का विकास	62
2.	संविधान की पृष्ठभूमि	63
3.	संविधान के भाग	65
4.	अनुसूचियाँ	77
5.	प्रस्तावना	78
6.	संघ	79
7.	संसदीय समितियाँ	88
8.	न्यायपालिका	89
9.	राज्य	91

## भारतीय भूगोल

1.	भारत की स्थिति एवं विस्तार	106
2.	भारत के भौगोलिक भू-भाग	108
3.	भारत का ऋषवाह तंत्र	114
4.	जैव-विविधता एवं संरक्षण	119
5.	भारत की मृदा	126
6.	जलवायु	127
7.	भारत में खनिज	128
8.	भारत के प्रमुख उद्योग	131
9.	भारत में परिवहन	134
10.	भारत में कृषि	138
11.	भारत की जनजातियाँ	141

## विज्ञान

❖	सामान्य विज्ञान	143
---	-----------------	-----

## कम्प्यूटर

❖	कम्प्यूटर	163
---	-----------	-----



नोट -

प्रागऐतिहासिक काल के जनक भारत में डा. प्राइम रोज थे। जिन्होंने लिंगशुमुर (कर्नाटक) से पाषाण कालीन उपकरण खोजे थे। नव पाषाण काल में दक्षिण भारत की प्रमुख फसल रागी थी।

## सिन्धु घाटी सभ्यता

परिचय

हडप्पा सभ्यता

- चार्ल्स मैसन - 1826 ई. सबसे पहले सभ्यता की ओर ध्यान आकर्षित किया।
- जॉन ब्रंटन व विलियम ब्रंटन - 1856 ई हडप्पा नगर का सर्वे किया।
- कनिंघम इस ओर ध्यान दिलाया कनिंघम को भारतीय पुरातात्विक विभाग का पितामह कहा जाता है।
- 1921 में सर जॉन मार्शल के निर्देशन में दयाराम शाहनी ने इसका उत्खनन किया।
- सर्वप्रथम इस स्थल की खोज होने के कारण यह स्थल हडप्पा सभ्यता कहलाया।

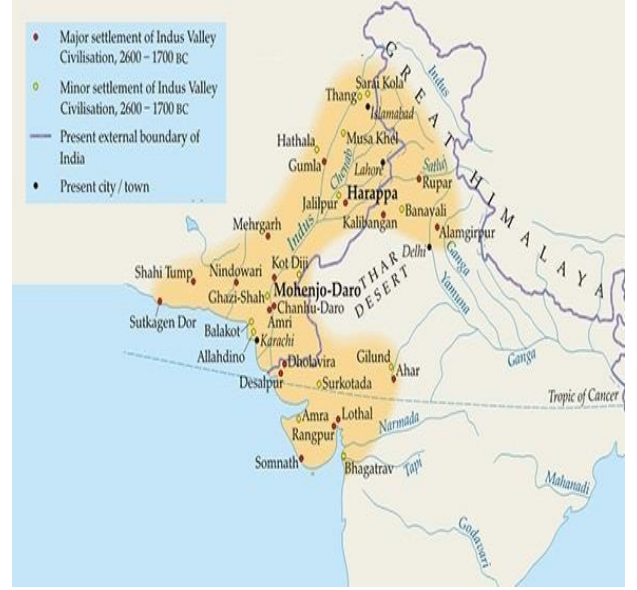
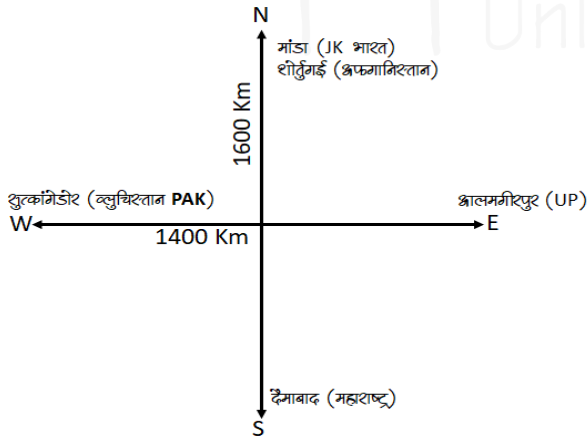
अन्य नाम

सिन्धु घाटी सभ्यता

सस्वती नदी घाटी सभ्यता

कांस्य युगीन सभ्यता

नगरीय सभ्यता



1300 किमी समुद्री सीमा

नोट -

- अफगानिस्तान में सिन्धु घाटी सभ्यता के मात्र दो स्थल थे। शारतगोई एवं मुंडीगॉक है।
- शारतगोई से नहरों द्वारा सिंचाई के साक्ष्य मिले हैं
- सिन्धु घाटी सभ्यता मिश्र एवं मेसोपोटामिया के सभ्यता से 12 गुना बड़ी थी। जबकि मिश्र की सभ्यता से 20 गुना बड़ी थी।
- आजादी से पूर्व खोजे समस्त स्थल पाकिस्तान में चले गये। भारत में केवल दो स्थल रहे, रंगपुर (गुजरात) और कोटला निहंगखां (शेपड पंजाब)
- भारत का सबसे बड़ा स्थल राखी गढ (हरियाणा) है, दूसरा बड़ा स्थल धौला वीरा (गुजरात) है।
- पिग्मट ने हडप्पा एवं मोहनजोदड़ो को सिन्धु सभ्यता की झुंडवा राजधानी बताया है।
- बड़े नगर (पाकिस्तान)  
गनेडीवाल  
हडप्पा  
मोहनजोदड़ो

कालक्रम -

जॉन मार्शल - 3250 BC - 2750 BC

माधोस्वरूप वटल - 3500 BC - 2700 BC

रेडियो कार्बन पद्धति - 2300 BC - 1750 BC

एनसीआरटी - 2500 BC - 1750 BC

फ्रेजर सर्विश - 2000 BC - 1500 BC

अर्नेस्ट मैके - 2800 BC - 2500 BC

## निवासी -

यहां से प्राप्त कंकालों के आधार पर चार प्रजातियों में बांटा जा सकता है।

1. भूमध्य सागरीय
2. अल्पाईन
3. मंगोलायड
4. प्रोटो आस्ट्रालायड

सर्वाधिक प्रजाति भूमध्य सागरीय प्रजाति मिली है।

## नगर नियोजन -

- नगर दो भागों में विभाजित - पश्चिमी भाग एवं पूर्वी भाग। पश्चिमी भाग दुर्ग था, पूर्वी भाग सामान्य नगर था।
- पश्चिमी भाग में प्रशासनिक लोग रहते थे। तथापूर्वी भाग में जनसामान्य लोग रहते थे।
- सिंधु घाटी सभ्यता में पक्की ईंटों के मकान हैं।
- सिन्धु घाटी के समकालीन सभ्यताओं में इस विशेषता का अभाव।
- नगर परकोटे युक्त होते थे।
- घरों के दरवाजे मुख्य सड़क की तरफ न खुलकर पीछे की तरफ खुलते थे। केवल लोथल में मुख्य सड़क की तरफ घरों के दरवाजे खुलते थे।
- कालीबंगा दोहरे परकोटे युक्त है। जबकि चन्हुदड़ो में कोई परकोटा नहीं।
- धोलावीरा तीन भागों में विभक्त है। पश्चिमी, पूर्वी एवं मध्यमा।
- लोथल एवं सुत्कोटडा का पश्चिमी एवं पूर्वी भाग दोनों ही एक ही परकोटे से घिरे हुए हैं।
- नगर ग्रिड पद्धति पर आधारित थे अर्थात् शतरंज के बोर्ड की तरह सभी नगरों को बसाया था। सभी मार्ग समकोण पर काटते थे।
- सबसे चौड़ी सड़क 10 मीटर (मोहनजोदड़ो) की मिलती है जो सम्भवतः राजमार्ग रहा होगा।
- घरों में उत्कृष्ट नाली व्यवस्था (जल निकासी हेतु)
- बड़ी नालियों को ढक कर रखते थे।
- भवन के ऊपर सामान्यतः 3 या 4 कक्षा, 2सोईघर, 1 विद्यालय स्नानागार एवं कुशां होता था। कच्ची एवं पक्की ईंटों का प्रयोग करते थे। ईंट का आकार - 1 : 2 : 4 जल निकासी हेतु पक्की ईंटों की नालियां होती थी विश्व की किसी अन्य सभ्यता में पक्की नालियों के साक्ष्य नहीं मिलते थे।

## प्रमुख नगर

### 1. हडप्पा: -

- पाकिस्तान के पंजाब के मोंटगोमरी जिले में स्थित (अब - शाहीवाल जिले में) रावी नदी के तट पर
- उत्खननकर्ता - दयाराम शाहनी
  - रावी नदी के तट पर श्रमिकों के आवास एवं अग्नागार मिलते हैं।
  - R-37 नामक कब्रिस्तान मिलता है। एक शव को ताबूत में दफनाया गया है, इसे विदेशी की कब्र कहते हैं।
  - टीले पर निर्मित - व्हीलर ने "माउण्ट A-B" कहा
  - शंख का बना बैल 18 वर्तकार चबूतरे मिले हैं।
  - यहां से सर्वाधिक अभिलेख युक्त मुहरें मिली हैं।
  - 6 - 6 की पंक्ति में कुल 12 कमरों वाला आवास स्थल मिला है।
  - एक स्त्री के गर्भ से निकलता हुआ पौधा की मृणमूर्ति मिली है। सम्भवतः उर्वरता की देवी होगी।

### 2. मोहनजोदड़ो : -

स्थिति = लरकाना (सिन्धु, PAK)

सिन्धु नदी के तट पर

उत्खननकर्ता = राखालदास बनर्जी

मोहनजोदड़ो का शाब्दिक अर्थ = मृतकों का टीला (सिन्धी भाषा)

#### (i) विशाल स्नानागार -

(a)  $11.88 \times 7.01 \times 2.43$  मीटर

(b) सम्भवतया यहाँ धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता रहा होगा ?

(c) सर जॉन मार्शल ने इसे तात्कालिक समय की आश्चर्यजनक इमारत कहा है।

(ii) विशाल अग्नागार सिंधु सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत है। ल.  $45.71 \times 15.23$  मीटर चौड़ी है।

(iii) महाविद्यालय के साक्ष्य

(iv) सूती कपड़े के साक्ष्य

(v) हाथी का कपालखण्ड

(vi) कांसा की नर्तकी की मूर्ति मिली है।

(vii) पुरोहित राजा की मूर्ति जो ध्यान की अवस्था में है  
(a) इसने शॉल ओढ रखी है जिस पर कशीदाकारी का कार्य किया गया है।

(viii) यहाँ से मेसोपोटामिया की मुहर मिलती है।

(ix) योगी की मूर्ति मिली है।

(x) आद्य शिव की मूर्ति मिली है।

(xi) बाँघ से पतन के साक्ष्य मिलते हैं।

(xii) सर्वाधिक मुहरें शिंघु घाटी सभ्यता के यहां मिलती हैं ।

### 3. लोथल :-

स्थिति = गुजरात

- भोगवा नदी के किनारे

उत्खननकर्ता = S. R. शव (रंगनाथ शव)

→ यह एक व्यापारिक नगर था ।

(i) यहाँ से गोदीवाडा (Dockyard) मिलता है

(a) यह शिंघु घाटी सभ्यता की सबसे बड़ी कृति है ।

(ii) मनके (Bead) बनाने का कारखाना

(iii) चावल के शाक्ष्य

(iv) फार्स की मुहर जो गोलाकार बटननुमा है

(v) घोड़े की मृण्मूर्तियाँ

(vi) चक्की के दो पाट

(vii) घरों के दरवाजे मुख्य मार्ग पर खुलते हैं (एकमात्र)

(viii) छोटे दिशा सूचक यंत्र

### 4. सुरकोटडा / सुरकोटदा: -

स्थिति = गुजरात

(i) घोड़े की हड्डियाँ

- शिंघु घाटी सभ्यता के लोगो को घोड़े का ज्ञान नहीं था ।

### 5. रोजदी (गुजरात)

- हाथी के शाक्ष्य

### 6. रोपड (PB)

मनुष्य के साथ कुत्ते को दफनाने के शाक्ष्य

### 7. धौलावीरा

गुजरात - कच्छ जिला (किन्ही नदी तट पर नहीं)

उत्खननकर्ता - रविन्द्र सिंह विष्ट (1990 में)

- यह सबसे नवीन नगर है जिसका उत्खनन किया गया
- कृत्रिम जलाशय के शाक्ष्य । संभवतः नहरों के माध्यम से खेती करते होंगे । (दुर्गाभाग, मध्यम नगर, मिचला)
- यह नगर 3 भागों में बंटा हुआ था ।
- स्टेडियम एवं सूचना पट्ट के श्रवण मिलते हैं (खेल का मैदान)

### 8. चन्हुदड़ों

उत्खननकर्ता - एन. मजूमदार (डाकूओं ने हत्या कर दी) - क्रिस्ट मैके

- मनके बनाने के कारखाने (मणिकारी), मुहर बनाने का काम आदि ।
- श्रौद्योगिक नगर
- झाकर एवं झुकर संस्कृति के शाक्ष्य मिलते हैं ।
- कुत्ते द्वारा बिल्ली का पीछा करने के पद चिन्ह हैं ।
- एक सौन्दर्य पेटिका मिली है । जिसमें एक लिपिस्टिक है ।

कालीबंगा:-

श्रवस्थिति- हनुमानगढ

नदी-घग्घर/संस्कृति/दृषद्धती/चौतांग

उत्खननकर्ता- श्रमलानन्द घोष

(1952)श्रम्य सहयोगी- बी. बी. लाल बी. के. थापर

जे. पी. जोशी एम. डी. खर्

शाब्दिक श्रुति- काली चुडिया (पंजाबी भाषा का शब्द)

उपनाम- दीन हीन बस्ती- कच्ची ईंटों के मकान ।

शामग्री:-

- सात श्रमिन् वेदिकाएँ एवं हवन कुण्ड मिले हैं,
- युग्मित शवाधान प्राप्त हुए ।
- एक मानव कपाल खण्ड मिला है, जिससे मस्तिष्क शो धन बीमारी तथा शल्य चिकित्सा की जानकारी मिलती है ।
- जूते हुए खेत के शाक्ष्य मिलते हैं (एकमात्र स्थान) एक साथ दो फसले, उगाया करते थे, जौ एवं सरसों
- मकान कच्ची ईंटों के थे बल्लियों की छत होती थी
- जल निकाली हेतु लकड़ी की नालियों के शाक्ष्य मिले हैं श्रुति शूद्र जल निकासी व्यवस्था नहीं थी ।
- ईंटों को धूप से पकाया जाता था ।
- वृताकार चबूतरे एवं बेलनाकार मुदरे (मैसोपोटामिया) मिली है ।
- लाल रंग के मिट्टी के बर्तन मिले हैं जिन पर काली एवं शफेद रंग की रेखाएँ खींची गई हैं ।
- यहां से एक खिलौना गाडी एवं पंख फैलाए बगुले की मूर्ति मिली है।
- यहां से ऊँट के श्रुति श्रवण मिले हैं।
- यहां का नगर श्रम्य हडप्पा स्थलों की तरह ही है, लेकिन यहां गढी एवं नगर दोनों दोहरे परकोटे युक्त हैं।
- यहां उत्खनन में पांच स्तर प्राप्त हुए हैं प्रथम दो स्तर प्राक हडप्पा कालीन हैं । श्रम्य तीन स्तर शमकालीन हडप्पा हैं ।

यहां प्राचीनतम भूकम्प के साक्ष्य प्राप्त होते हैं। इतिहासकार दशरथ शर्मा के अनुसार यह हडप्पा सभ्यता की तीसरी राजधानी है। यहां एक कब्रिस्तान मिला है जिसे यहां के लोगों की शवाधान पद्धति की जानकारी भी मिलती है। हडप्पा लिपि

- लगभग 64 मूल चिह्न व 400 तक अक्षर
- इन्हें लिपि का ज्ञान था
- दायी से बायीं ओर लिखते थे।
- गोमूत्राक्षर लिपि एवं भाव-चित्रात्मक लिपि थी।
- 375 से 400 तक भाव एवं शब्दों का प्रयोग करते थे।

### पतन के कारण

- गार्डन चाइल्ड तथा व्हीलर के अनुसार अर्यों का आक्रमण
- रंगनाथ राव तथा सर जॉन मार्शल - बाढ़
- लोम्बार्डिक-सिंधु नदी का मार्ग बदलता
- आरस्टाईन एवं क्रमलानंद घोष-जलवायु परिवर्तन

### अन्य महत्वपूर्ण तथ्य -

- कपास का उत्पादन सर्वप्रथम सिंधुवासियों ने किया।
- सारगोन अभिलेख में सिंधुवासियों को मेलुहा (नाविको का देश) कहा गया है।
- सिंधुवासियों का प्रिय पशु कुबड वाला बैल था।
- दूसरा मुख्य पशु एक सींग वाला गेंडा था।
- मातृ सत्तात्मक वाला समाज था।
- सर्वाधिक मूर्तियां मातृ देवी की मिली हैं।
- लिंग एवं योनि की पूजा करते थे।
- योग से परिचित थे। प्राकृतिक बहुदेववाद में विश्वास करते थे।
- मृत्यु के बाद भी जीवन में विश्वास करते थे।
- सिंधुवासी घोडा, गाय, शेर और ऊंट से परिचित नहीं थे।
- सिंधुवासी लोहे से परिचित नहीं थे

## वैदिक काल(साहित्य)

1500 - 600 BC

इस काल को हम दो भागों में बांट सकते हैं।

1. ऋग्वैदिक काल (1500 BC - 1000 BC)
2. उत्तरवैदिक काल (1000 BC - 600 BC)

### परिचय -

वैदिक सभ्यता अर्यों द्वारा बसाई गई सभ्यता है। इस काल का इतिहास इस काल में लिखे गए साहित्य पर आधारित है। इस साहित्य को वैदिक साहित्य / श्रव्य साहित्य भी कहा जाता है। जो निम्न है।

- |  |   |               |
|--|---|---------------|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>1. वेद ⇒ श्रुति</li> <li>2. ब्राह्मण ⇒</li> <li>3. श्रावण्यक ⇒</li> <li>4. उपनिषद् ⇒ वेदान्त</li> </ol> | } | वैदिक साहित्य |
|--|---|---------------|

- |   |   |                               |
|---|---|-------------------------------|
| <ol style="list-style-type: none"> <li>(1) वेदांग</li> <li>(2) धर्मशास्त्र</li> <li>(3) महाकाव्य</li> <li>(4) पुराण</li> <li>(5) स्मृतियाँ</li> </ol> | } | वैदिक साहित्य का अंग नहीं है। |
|---|---|-------------------------------|

### वेद -

- वेदों का संकलन कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास ने किया।
- वेदों का नित्य, प्रामाणिक एवं अपौरुषेय माना जाता है
- वैदिक मन्त्रों की रचना करने वाले ब्राह्मणों को दृष्टा कहते हैं।
- वेद 4 हैं -

### 1. ऋग्वेद -

- ऋग्वेद में 10 मण्डल, 1028 सूक्त, 10580(10600) मन्त्र हैं।
- पहला एवं 10वाँ मण्डल बाद में जोड़े गए हैं।
- दूसरे से लेकर सातवें मण्डल को वंश मण्डल /परिवार मण्डल कहा जाता है।
- तीसरे मण्डल में गायत्री मन्त्र का उल्लेख मिलता है।
  - गायत्री मंत्र की रचना विश्वामित्र ने की।



- गायत्री मंत्र शिवितृ / शिवितृ (सूर्य) को समर्पित है
- सातवें मण्डल में दशराज्ञ/ दशराजन युद्ध का उल्लेख मिलता है।
  - भरत कबीला V/S 10 कबीले
  - राजा = सुदास
  - पुरोहित = वशिष्ठ पुरोहित = विश्वामित्र
- यह युद्ध शिवी नदी के जल के लिए लड़ा गया था
- आठवें मण्डल में घोशा, शिकता, अपाला, विश्वरा, काक्षावृति, लोपामुद्रा जैसी ऋषि महिलाओं के नाम मिलते हैं।
- 9वां मण्डल रोम को समर्पित है।
- रोम का निवास स्थान मुजवन्त पर्वत है।
- 10वें मण्डल के पुरुष सूक्त में शुद्ध शब्द का उल्लेख / चारों वर्ण का उल्लेख मिलता है।
- 10वें मण्डल के नाशदीय सूक्त में निर्गुण भक्ति का उल्लेख मिलता है।
- ऋग्वेद के मंत्रों को उच्चारण करने वाला ब्राह्मण = होतृ
- उपवेद = श्रयुर्वेद

## 2. यजुर्वेद :-

- यह 2 भागों में है - (i) शुक्ल यजुर्वेद  
(ii) कृष्ण यजुर्वेद

- यह गद्य एवं पद्य दोनों में है।
- इसमें शून्य का उल्लेख मिलता है।
- मंत्र पढ़ने वाले को "ऋध्वर्यु" कहा जाता है।
- यज्ञ - अनुष्ठानों की जानकारी मिलती है।
- उपवेद - धनुर्वेद

## 3. सामवेद :-

- संगीत का प्राचीनतम स्रोत
- वैदिक मंत्रों के उच्चारण को बताया गया है जो उच्च स्वर में गाए जाते हैं।
- भगवान कृष्ण का प्रिय वेद
- मंत्रों का उच्चारण करने वाला = उद्गाता
- उपवेद = गन्धर्ववेद

## 4. अथर्ववेद :-

- अथर्व ऋषि तथा आंगीरस ऋषि - रचयिता
- अन्य नाम - अथर्वआंगीरस वेद
- इसमें काले जादू, टोने - टोटकी व चिकित्सा का उल्लेख। औषधि प्रयोग, शत्रुओं का दमन, रोग निवारण, तंत्र - मंत्र आदि।
- मंत्रों का उच्चारण करने वाला - ब्रह्म
- उपवेद - शिल्पवेद।

## वेद एवं उनके संबंधित उनके ब्राह्मणक, शास्त्रिक एवं उपनिषद् ग्रंथ

वेद	भाग	विषय	पुरोहित	ब्राह्मणक	शास्त्रिक	उपनिषद्
ऋग्वेद	शाकल बालखिल्य वास्कल	छन्द/प्रार्थनाएं	होता/होतृ	ऐतरेय	ऐतरेय कौशीतकी	ऐतरेय कौशील्की
यजुर्वेद	कृष्ण यजुर्वेद शुक्ल यजुर्वेद	उच्च स्वर में उच्चारित किये जाने वाले मंत्र	ऋध्वर्यु	शतपथ तैत्तरीय मां,यन	तैत्तरीय मंत्रायन वृहदारण्यक	कठ, तैत्तरीय वृहदारण्यक नाशप्यणश्वर श्वेतशश्वर, ईश
सामवेद	कौथूम, राणप्यम और जैमिन्य	संगीत, गायन	उद्गाता	पंचविष, षडविच जैमिनी	जैमिनी छन्दोग्य	केन जैमिनी छन्दोग्य
अथर्ववेद	शौनक, पीलाद	भौतिकवादी जादू, टोना लौकिक विधि विधान	ब्रह्मा	गोपथ	-	प्रश्न, मुण्डक, मांडुक्य

- मुण्डकोपनिषद् से शतमेव जयते लिया गया है।
- प्रथम तीन वेदों को वेदत्रय कहा जाता है।
- सबसे प्राचीन उपनिषद् छान्दोग्य उपनिषद् है।
- उपनिषद् को वेदांत कहते हैं।

### वेदांग -

वेदों के शरलीकरण हेतु इनका निर्माण किया गया। यह वैदिक साहित्य का हिस्सा नहीं है। इसके छह भाग हैं

1. शिक्षा - इसे वेदों की नाशिका कहा जाता है।
2. ज्योतिष - इसे वेदों की आंख कहा जाता है।
3. व्याकरण - इसे वेदों का मुख कहा जाता है।
4. छन्द - इसे वेदों का पैर कहा जाता है।
5. निरुक्त - इसे वेदों का कान कहा जाता है।
6. कल्प - इसे वेदों की हाथ कहा जाता है।

कल्प के श्रंतर्गत शुल्ब सूत्र ज्यामिति की सबसे प्राचीनग्रन्थ है।

पुराण - संख्या - 18

ऋषि लोमहर्ष एवं इनके पुत्र उग्रश्रवा ने संकलित किया

- मत्स्य पुराण - सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक इसमें शातवाहन शासकों का उल्लेख, शुंगवंश का उल्लेख
- विष्णु पुराण - मौर्य वंश का उल्लेख
- वायु पुराण - गुप्त वंश का उल्लेख
- मार्कण्डेय पुराण - देवी महात्म्य - (इसका भाग दुर्गासप्तशती) महामृत्युंजय मंत्र
- मत्स्य पुराण - सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक इसमें शातवाहन शासकों का उल्लेख, शुंगवंश का उल्लेख

### स्मृति साहित्य: -

- सबसे प्राचीन उपनिषद् छान्दोग्य उपनिषद् है।
- इसमें सामाजिक नियमों का उल्लेख किया गया है

### आर्यों का निवास:-

- आर्यों के निवास के बारे में विभिन्न मत प्रचलित हैं
- बाल गंगाधर तिलक के अनुसार आर्यों का मूल निवास उत्तरी ध्रुव है।
- दयानंद शरश्वती के अनुसार तिब्बत मूल के आर्य हैं डॉ. पैनका ने जर्मनी को मूल स्थान बताया। मेक्स मूलर के अनुसार आर्य मध्य एशिया (बैक्ट्रिया) हैं

आर्यों के उत्पत्ति के संबंधित हाल ही में शक्तीगढ में उत्खनन से भी आर्यों की मूल उत्पत्ति के संबंध में पता नहीं लग पाया।

सिंधु वास्तियों का शक्तीगढ से जो डीएनए मिला है। वह डीएनए उत्तर भारतीयों एवं दक्षिण भारतीयों में भी पाया गया है।

### ऋग्वेद काल के अन्य महत्वपूर्ण तथ्य -

- ऋग्वेद में सबसे ज्यादा सिन्धु नदी का उल्लेख मिलता है।
- शरश्वती सबसे पवित्र नदी थी। (देवीतमा, मातेतमा, नदीतमा)
- गंगा व शरश्वती का उल्लेख 1 - 1 बार
- यमुना का उल्लेख 3 बार
- "भुजवन्त" नामक पहाडी चोटी का उल्लेख - जो कि हिमालय है।
- ऋग्वेद में वर्तमान की कई नदियों का उल्लेख मिलता है।

सिंधु	सिंध
झेलम	वितश्तता
रावी	परुषणी
व्यास	विपाशा
शतलज	शतुदी
चीनाब	अष्कीनी
शरश्वती	शरश्वती
गोमल	गोमती
श्वात	श्वास्तु
कुर्रम	कुर्रु
काबुल	कुम्भा

नोट- गोमल, श्वात, कुर्रम, काबुल अफगानिस्तान की नदियां हैं।

ऋग्वेद कालीन प्रशासन का मुखिया राजा होता था। राजा के सहयोग हेतु तीन संस्थाओं का उल्लेख मिलता है।

यहां प्रशासन खंड शरीय होता है। जन सबसे बड़ी इकाई थी।

ऋग्वेद में उल्लेख 275 बार। जिसका प्रमुख राजा होता था।

विष का उल्लेख 70 बार।

ग्राम का उल्लेख 13 बार।

1. शभा - ऋग्वेद में आठ बार उल्लेख, कुलीन लोगों की संस्था थी।
2. शमिति - ऋग्वेद में नौ बार उल्लेख जनसामान्य की संस्था थी।
3. विदथ - यह सबसे प्राचीन संस्था है। 122 बार उल्लेख मिलता है। कार्यशैली की जानकारी नहीं मिलती।

- शार्यो का प्रिय पशु घोडा था ।
- वर्ण व्यवस्था कर्म आधारित थी ।
- तीन वर्णों का उल्लेख मिलता है ।
- महिलाओं को राजनीतिक अधिकार प्राप्त थे । घोषा, शिवता, श्रपाला, विषपला (योद्धा), नामक महिला विदुषियों को जिक्र मिलता है ।

ऋग्वेद काल में निम्न प्रमुख देवता थे ।

1. इंद्र - ऋग्वेद में 250 बार उल्लेख । इसे पुरंदर कहा गया है ।
2. वरुण - ऋग्वेद में 30 बार उल्लेख । ऋत का देवता है ।
3. अग्नि - ऋग्वेद में 200 बार उल्लेख ।

शार्यो की अर्थव्यवस्था पशुपालन आधारित थी । युद्ध गार्यों के लिए होते थे ।

### उत्तरवैदिक काल - 1000 - 600 BC

- महत्वपूर्ण स्त्रोत - यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, ब्राह्मण, उपनिषद् व शारण्यक
- शार्य संस्कृति के प्रसार और विकास, उत्कर्ष, विभिन्निकरण का युग
- लौह प्रौद्योगिकी युग की शुरुआत । ("चित्रित धूसर मृदभाण्ड")

राजनैतिक जीवन - राजतंत्रात्मक शासन व्यवस्था :-

- राजा का पद वंशानुगत हो गया था ।
- ऐतरेय ब्राह्मण में राजा की विभिन्न उपाधियों का वर्णन मिलता है ।  
स्वराट, विराट, एकराट, सम्राट
- राजा की सहायता हेतु 12 रत्निन् होते थे ।
- राजा यज्ञों का आयोजन करता था ।
  - (i) अश्वमेध यज्ञ - यह साम्राज्यवादी यज्ञ होता था । 3 दिन तक होता
  - (ii) राजसूय यज्ञ - राज्याभिषेक के समय किया जाता था इस दिन राजा हल चलाता था । अपने रत्निनों का निमंत्रण स्वीकार कर, उनके घर भोजन करने जाता था ।
  - (iii) वाजपेयी यज्ञ - रथ दौड़ का आयोजन करता था राजा हिस्सा लेता था व हमेशा जीतता था
- राजा के पास स्थायी सेना नहीं होती थी ।
- ऋग्वेदिक काल में राजा को दिया जाने वाला स्वैच्छिक कर, अब अनिवार्य हो गया, जिसे 'बली' कहा जाता था । (1/16वाँ भाग)
- विद्वत् का उल्लेख नहीं मिलता ।
- सभा, एवं समिति का प्रभाव कम हो गया था ।

- अथर्ववेद - सभा व समिति को प्रजापति की पुत्रियाँ कहा गया है ।
- राजा की "दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त" सर्वप्रथम ऐतरेय ब्राह्मण में मिलता है ।

### शार्यिक जीवन :-

- कृषि का विकास हो चुका था ।
- अथर्ववेद में "पृथवेन्यु" को कृषि धरती पर लाने का श्रेय जाता है  
शतपथ ब्राह्मण में कृषि के सभी प्रकारों (जुताई, बुझाई, कटाई) का उल्लेख मिलता है ।
- शतपथ ब्राह्मण की काठक संहिता में (24 बैलों द्वारा खिंचे जाने वाले) हल का वर्णन मिलता है ।
- गेहूँ एवं जौ प्रमुख फसलें थी ।
- पशुपालन भी होता था ।
- वस्तु विनिमय होता था ।
- विनिमय में गाय व निरक का प्रयोग होता था ।  
निरक - सोने का आभूषण जो गले में पहनते थे
- कृषि में लौह निर्मित उपकरणों का प्रयोग (अन्तरजीखेडा से साक्ष्य)
- समुद्र का ज्ञान हो गया था ।

### सामाजिक जीवन :-

- पितृसत्तात्मक संयुक्त परिवार
- चार वर्णों में समाज विभक्त हो गया था । किन्तु अस्पृश्यता का अभाव था ।
- ब्राह्मणों को 'अदायी' कहा जाता था । शार्य के 3 वर्ग द्विज कहलाते थे ।  
(जनेऊ धारण करते हैं) उपनयन संस्कार होता था ।  
द्विज - दो बार जन्म लेने वाला
- क्षुद्रो को उपनयन संस्कार का अधिकार नहीं था ।
- महिलाओं की स्थिति में गिरावट आयी । (वृहदारण्य उपनिषद् में याज्ञवल्क्य एवं गार्गी का संवाद मिलता है ।)
- अथर्ववेद में पुत्री जन्म को दुःखदायी बताया है ।
- ऐतरेय ब्राह्मण में भी पुत्री जन्म को दुःखदायी बताया है । (पुत्री - कृपण कहा)
- मैत्रायणी संहिता में भी पुत्री को शराब एवं जुआ की तरह बुराई बताया है ।
- महिलाओं को शिक्षा का अधिकार था । EX - गार्गी, मैत्रेयी, वेदवती
- सती प्रथा, बाल विवाह, पर्दा प्रथा का प्रचलन नहीं था ।

## धार्मिक स्थिति

- प्रमुख देवता - ब्रह्मा, विष्णु, महेश । पाँच प्रकार के यज्ञ होते थे (पंचयज्ञ)।
  - (i) ब्रह्म यज्ञ
  - (ii) देव यज्ञ
  - (iii) ऋतिथि यज्ञ
  - (iv) पितृ यज्ञ
  - (v) भूत यज्ञ
- ब्रह्म यज्ञ को “ऋषि यज्ञ”, ऋतिथि यज्ञ को “मनुष्य यज्ञ” भी कहते थे । (भूत यज्ञ - प्राणी जगत् व प्रकृति के प्रति कृतज्ञता)

## 3 ऋण -

- (i) ऋषि ऋण
- (ii) देव ऋण
- (iii) पितृ ऋण

## बौद्ध धर्म

संस्थापक - गौतम बुद्ध

जन्म - 563 B. C.

पिता - शुद्धोधन

माता - महामाया

मौसी - प्रजापति गौतमी

पत्नी - यशोधरा

पुत्र - राहुल

जन्मस्थान - लुम्बिनी (कपिलवस्तु)

आधुनिक - रूमिन देई, नेपाल

वंश - इक्ष्वाकु

शाक्य क्षत्रिय

गौत्र - गौतम

- 4 घटनाएँ जिन्होंने बुद्ध का जीवन बदल दिया -
  - (i) वृद्ध व्यक्ति
  - (ii) बीमार व्यक्ति
  - (iii) मृत व्यक्ति
  - (iv) सन्यासी
- 29 वर्ष की अवस्था में गृहत्याग किया यह घटना -- “महाभिनिष्क्रमण” कहलाती है।
- बुद्ध ने “मध्यम मार्ग” का प्रतिपादन किया ।
- बुद्ध 35वें चले गये एवं वहाँ निर्जना नदी के तट पर पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई ।
- अब सिद्धार्थ “गौतम बुद्ध व शाक्य मुनि” के नाम से प्रसिद्ध हुये ।
- शास्त्राथ में कौंडिन्य एवं अन्य ब्राह्मणों को पहला उपदेश दिया इसे “धर्मचक्र प्रवर्तन” कहते हैं

- सर्वाधिक उपदेश - श्रावस्ती में दिये ।
- आनन्द प्रिय शिष्य तथा उपालि प्रमुख शिष्य था ।
- आनन्द के कहने पर भगवान बुद्ध ने महिलाओं को संघ में प्रवेश दिया । प्रजापति गौतमी - पहली ‘भिक्षुणी’
- 483 B.C. में बुद्ध की मृत्यु - कुशीनारा में (कुशीनारा) कुशीनगर
- भगवान बुद्ध के प्रतीक -
  1. हाथी/ शफेद हाथी - भगवान बुद्ध के गर्भस्थ होने का प्रतीक
  2. सांड/कमल - जन्म
  3. घोडा - गृहत्याग का प्रतीक
  4. बोधिवृक्ष/पीपल - ज्ञान का प्रतीक
  5. पद्मिनी - निर्वाण का प्रतीक
  6. स्तूप - मृत्यु का प्रतीक
- 7. शम्भोधि - 35 वर्ष की अवस्था में गौतम बुद्ध को बोधगया में निर्जना नदी के तट पर पीपल के वृक्ष के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई ।

## ज्ञान/ दर्शन -

4 कार्य सत्य

(i) दुःख है ।

(ii) दुःख का कारण है । (प्रतीत्य समुत्पाद)

(iii) दुःख निवारण है ।

(iv) दुःख निवारण का मार्ग है ।

## अष्टांगिक मार्ग -

1. सम्यक् दृष्टि
2. सम्यक संकल्प
3. सम्यक वाक्
4. सम्यक कर्मान्त
5. सम्यक् आजीव
6. सम्यक् व्यायाम
7. सम्यक् स्मृति
8. सम्यक् समाधि

## कार्य कारण/ कारणता सिद्धान्त - प्रतीत्य समुत्पाद

(ऐसा होने पर -वैसा होना)

- दुःखो का कारण अविद्या को बताया है ।
- कर्म सिद्धान्त में विश्वास रखते हैं ।
- पुनर्जन्म में विश्वास रखते हैं ।
- अनात्मवादी होते हैं । आत्म की अमरता में विश्वास नहीं रखते हैं ।
- अनीश्वरवादी होते हैं । ईश्वर के प्रश्न पर बुद्ध मुश्किल देते थे ।
- क्षणिकवाद (अनित्यवादी) - इस जगत् की सभी वस्तुएँ अनित्य एवं परिवर्तनशील हैं ।

- क्षात्रपाली (वैशाली) भी बौद्ध संघ में सम्मिलित हो गयी थी

### निर्वाण -

- निर्वाण का शाब्दिक अर्थ "दीपक/विज्ञान का बुझ जाना" होता है।
- भगवान बुद्ध ने निर्वाण की अवस्था का उल्लेख नहीं किया है।

### बौद्ध धर्म की चार संगीति -

समय	स्थान	शासक	अध्यक्ष
1. 483 B. C.	शजगृह	क्षजातशत्रु	महाकश्यप
2. 383 B. C.	वैशाली	कालाशोक	शाबकमीर
3. 251 B. C.	पाटलीपुत्र	क्षशोक	मोगलीपुत्र तीक्ष्ण
4. 1 <sup>st</sup> Cent.	कुण्डलवन (कश्मीर)	कनिष्क	क्षश्वद्योष / वसुमित्र

#### (1) प्रथम संगीति - दो पुस्तकें (ग्रन्थ) लिखी गईं

- शुत पिटक: - भगवान बुद्ध का जीवन, उपदेश, शिक्षाएँ, तथा बौद्ध धर्म की जानकारी मिलती है। इसके खुदक निकाय में बुद्ध के पूर्व जन्म की कथाएँ (जातक) मिलती हैं। इसकी रचना आनन्द ने की थी।
- विनय पिटक - संघ के नियम तथा बौद्ध भिक्षुओं के आचार विचार (आचरण) का वर्णन मिलता है इसकी रचना उपाली ने की थी।

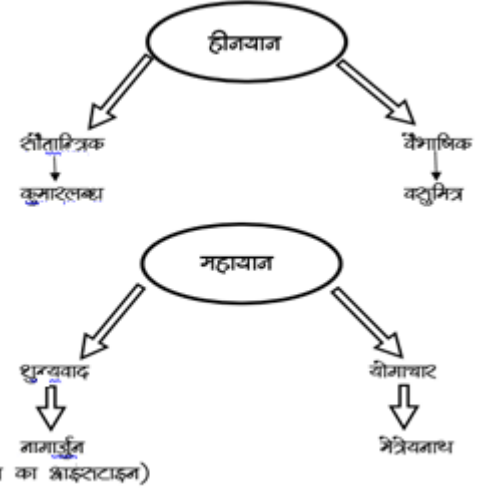
#### (2) द्वितीय संगीति - बौद्ध धर्म 2 भागों में विभक्त हो गया।

- स्थविर तथा महासंघिक - दो भागों में विभक्त

#### (3) तृतीय संगीति - इसमें तीसरे पिटक - अभिधम्म पिटक की रचना की गई। इसमें "बौद्ध धर्म के दर्शन" का वर्णन है संयुक्त रूप से शुत - विनय - अभिधम्म पिटक को "त्रिपिटक" कहा जाता है अभिधम्म पिटक की रचना मोगलीपुत्र तीक्ष्ण ने की थी।

#### (4) चतुर्थ संगीति - बौद्ध धर्म 2 भागों में विभक्त हो गया हीनयान (छोटी गाडी) एवं महायान (बड़ी गाडी)

हीनयान एवं महायान भी कई शाखाओं में विभक्त हो गया।



- मत्रय - भावष्य का बुद्ध
- बुद्ध ने पंचशील का सिद्धान्त दिया

#### बौद्ध धर्म के त्रिरत्न बुद्ध, धम्म और संघ

शंकराचार्य को प्रच्छन्न / छद्म बुद्ध कहा जाता है।  
 बौद्ध संघ में प्रवेश उपसम्पदा कहलाती है।  
 गृह त्यागना प्रव्रजा कहलाता है।  
 शुतपिटक को बौद्ध धर्म का एन साइक्लोपिडिया कहा जाता है।  
 बौद्ध धर्म का सबसे बड़ा स्तूप बोरो बडूर स्तूप इण्डोनेशिया में है।

### जैन धर्म

- संस्थापक - ऋषभदेव / आदिनाथ दोनों का वर्णन ऋग्वेद में
- 21वें तीर्थंकर - नेमीनाथ
- 22वें तीर्थंकर - अरिष्टनेमी - (कृष्ण के समकालीन)
- 23वें तीर्थंकर - पार्श्वनाथ
- महावीर स्वामी (24वें)  
 महावीर को निगठनाथपुत्र कहा जाता है।
  - जन्म - 540 B. C. भाई - नन्दीबर्मन
  - स्थान - कुण्डग्राम
  - मृत्यु - पावापुरी (बिहार)
  - बचपन का नाम - वर्धमान
  - पिता - शिद्धार्थ
  - माता - त्रिशला
  - पत्नी - यशोदा
  - पुत्री - प्रियदर्शना दामाद - जामालि
- 30 वर्ष में गृहत्याग।

सामान्य विज्ञान

1. कार्बन डेटिंग विधि जीवाश्मों की आयु निर्धारित करने के लिए अपनाई जाती है।
2. अत्यधिक शराब का सेवन करने से शरीर में यकृत विशेष रूप से प्रभावित होता है।
3. शरीर में प्लीहा रक्त बैंक का काम करता है।
4. हरे पौधों में प्रकाश संश्लेषण की इकाई क्वाण्टोसोम कहलाती है।
5. शरीर में रक्त की सफ़ेद कणिकाओं का मुख्य कार्य शरीर को बीमारियों से बचाना होता है।
6. मछली के हृदय में दो प्रकोष्ठ होते हैं।
7. मानव शरीर में रक्त से अवांछनीय पदार्थों को पृथक करने का कार्य वृक्क करता है।
8. चालीस वर्ष पूरे हो जाने पर चर्चित "अपराध" एक नाभिकीय रियेक्टर है।
9. डायनमो का कार्य यांत्रिक ऊर्जा से विद्युत ऊर्जा का उत्पादन करना है।
10. पिचब्लेण्टी से रेडियम तत्व प्राप्त किया गया था।
11. गिरगिट की त्वचा में रंग बदलने का कारण उशकी त्वचा में मेलेनोफोर नामक असंख्य रंगद्रव्य कोशिकाओं की उपस्थिति है।
12. प्रकृति में सबसे अधिक मात्रा में पाए जाने वाला कार्बनिक यौगिक सेल्यूलोज है।
13. वृद्धावस्था का अध्ययन विज्ञान की जिरेन्टोलॉजी शाखा के अन्तर्गत किया जाता है।
14. डोलोमाइट कैल्शियम का अयस्क है।
15. खट्टे फलों में विटामिन बी (B6) पाया जाता है।
16. ध्वनि की तीव्रता मापने वाला यंत्र श्रॉडियोमीटर कहलाता है।
17. दूध का खट्टा होना जीवाणुओं के कारण होता है।
18. श्वेत प्रकाश के वर्णक्रम में प्रिज्म द्वारा सर्वाधिक विचलित होने वाला रंग बैंगनी रंग है।
19. रेफ्रिजरेटर में प्रशीतक फ्रैज़ॉन गैस होती है।
20. दूध से दही बनाने में लैक्टोबैसिलस बैक्टीरिया सहायक होता है।
21. वृक्क के कार्य न करने पर डाइलैसिस किया जाता है।
22. मनुष्य के मस्तिष्क का सबसे बड़ा भाग प्रमस्तिष्क होता है।
23. राइफल चलाने पर लगने वाला झटका रेखीय शक्ति के संरक्षण का उदाहरण है।
24. प्रयोगशाला में सर्वप्रथम जीन का संश्लेषण करने वाले वैज्ञानिक हरगोविन्द खुराना थे।
25. चन्द्रमा पर वायुमण्डल न होने का कारण वहाँ सभी गैसों का वर्ग माध्य मूल वेग उनके पलायन वेग से अधिक है।
26. क्लोराला कोशिकीय शैवाल का उपयोग अन्तरिक्ष में खाद्य की समुचित पूर्ति के लिए किया जाता है।

27. प्राकृतिक रबर आइसोप्रीन का बहुलक है।
28. द्रव्य की चौथी अवस्था प्लाज्मा कहलाती है।
29. प्रत्यावर्ती धारा की माप तप्त तार अमीटर से की जाती है।
30. प्रकाश तरंगों के ध्रुवण गुण से उनके अनुप्रस्थ होने का प्रमाण मिलता है।
31. एक वृत्ताकार वलय का गुञ्जत्व केन्द्र वलय वृत्त के केन्द्र पर होता है।
32. मानव रक्त का pH मान 7.4 होता है।
33. खनिज संश्लेषण की दृष्टि से हीरा कार्बन होता है।
34. ग्रह गति का सिद्धान्त केप्लर ने प्रतिपादित किया।
35. हाइड्रोजन बम नाभिकीय संलयन सिद्धान्त पर आधारित है।
36. प्रोटॉन की खोज रदरफोर्ड ने की थी।
37. पानी पृथ्वी पर तीनों अवस्थाओं में पाया जाता है।
38. हिरि के सम्बन्ध में कैंसेट हिरि के भार का मात्रक होता है।
39. गैल्वेनीकृत लोहे पर जिंक का लेप होता है।
40. भारत में 28 फरवरी को विज्ञान दिवस सी.वी.रमन द्वारा रमन प्रभाव की खोज करने के दिन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।
41. 7 नवम्बर, 1888 को भारत के महान वैज्ञानिक सी. वी. रमन का जन्मदिन है।
42. आयोडीन युक्त नमक का प्रयोग गलगण्ड बीमारी की रोकथाम के लिए किया जाता है।
43. विद्युत मोटर का कार्य विद्युत ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तित करना है।
44. पृथ्वी का औसत घनत्व 5.5 ग्राम/घन सेंटीमीटर है।
45. सूर्य सदैव पूर्व में निकलता है, क्योंकि पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर घूमती है।
46. पौधों में वाष्पोत्सर्जन दर के निर्धारण के लिए पोटीमीटर यंत्र का उपयोग किया जाता है।
47. रेड लेड का रासायनिक सूत्र  $Pb_3O_4$  है।
48. मानव शरीर में विटामिन K का निर्माण कोलन में बैक्टीरिया द्वारा होता है।
49. Dark Avenger एक प्रकार का प्रमुख कम्प्यूटर वायरस है।
50. फाइकोलॉजी के तहत विज्ञान की शैवाल शाखा का अध्ययन किया जाता है।
51. विटामिन B<sub>12</sub> में कोबाल्ट पाया जाता है।
52. मेनिनजाइटिस (तानिका शोथ) नामक रोग से शरीर में मस्तिष्क प्रभावित होता है।
53. मानव शरीर में रक्त का थक्का नहीं बनने का प्रमुख कारण हिपेरिन की उपस्थिति है।
54. चाय बनाने के लिए विद्युत द्वारा केतली में पानी संचालन विधि द्वारा गर्म होता है।

55. वृद्धों के चिकित्साशास्त्रीय अध्ययन को गैरियाट्रिक्स कहा जाता है।
56. हाइपोग्लाइसेमिया नामक रोग रक्त में ग्लूकोस की कमी से होता है।
57. एच.टी.एल.वी.-॥ नामक वायरस से एड्स रोग फैलता है।
58. मानव शरीर में सबसे छोटी ग्रंथि पिट्यूटरी है।
59. एन्जाइम मूलतः प्रोटीन है।
60. पित्त का निर्माण शरीर के यकृत में होता है।
61. कृष्ण छिद्र (Black Hole) सिद्धान्त का प्रतिपादन एच. चन्द्रशेखर ने किया था।
62. साइनोकोवालमिन विटामिन B12 है।
63. टेट्रा इथाइल लैंड पेट्रोल में एन्टीनॉकिंग रेटिंग (अपस्फोटन की दर) को बढ़ाने के लिए मिलाया जाता है।
64. हृदि की चमक पूर्ण आन्तरिक परावर्तन के कारण होती है।
65. आपेक्षिक शक्ति हाइड्रोमीटर द्वारा मापी जाती है।
66. रेटिना पर बनने वाला प्रतिबिम्ब वास्तविक, उल्टा तथा वस्तु से छोटा होता है।
67. पोलिया का टीका सर्वप्रथम जोन्स साल्क ने तैयार किया था।
68. गोबर गैस का मुख्य संघटक मीथेन है।
69. न्यूटन/किग्रा त्वरण भौतिक राशि का मात्रक है।
70. गॉयटर नामक रोग शरीर में आयोडीन की कमी के कारण होता है।
71. वाइरोलॉजी में विषाणुओं का अध्ययन किया जाता है।
72. विटामिन C का रासायनिक नाम एस्कॉर्बिक अम्ल है।
73. सामान्य व्यक्ति का अनुशीलक रक्त दाब 80 मिलीमीटर पारे के बराबर होता है।
74. कैलोमल मरक्युरिक सल्फाइड होता है।
75. शिन्दूर का रासायनिक नाम लैंड टेट्राऑक्साइड मरक्युरिक सल्फाइड है।
76. 'झूठा सोना' प्रकृति में पाया जाने वाला आयरन सल्फाइड अथवा आयरन पाइराइट्स कहलाता है।
77. पेन्क्रियाटिक जूस में पाया जाने वाला एन्जाइम ट्रिप्सिन है।
78. श्रॉतों में प्रोटीनों को अमीनो अम्ल में अपघटित करने में पेप्सिन एन्जाइम उत्प्रेरक होता है।
79. एस्ट्रो-डी ब्रह्माण्ड के विकास का अध्ययन करने वाला जापानी एक्स रे उपग्रह है।
80. ध्रुवतारे के पृथ्वी के घूर्णन अक्ष की दिशा में स्थित होने के कारण ध्रुवतारा एक ही स्थान पर दिखाई देता है।
81. मानव हृदय सामान्यतः प्रति मिनट 72 बार स्पंदन करता है।
82. सिफ़नोमैनोमीटर नामक यंत्र से रक्त दाब मापते हैं

83. सन् 1902 में कार्ल लैण्डस्टीनर ने रक्त समूह की खोज की थी।
84. प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण समुद्र का जल नीला दिखाई देता है।
85. प्रोटीन नाइट्रोजन गैस का प्रमुख यौगिक है।
86. इथोप्लॉजी में जानवरों के व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।
87. नोबेल पुरस्कार से सम्मानित होने वाली विश्व की प्रथम महिला विज्ञान के क्षेत्र में मैडम क्यूरी (1930) थी।
88. जहाज के डूबे हुए भाग से हटाए गए पानी का भार सम्पूर्ण जहाज के बराबर होता है, इसलिए वह प्लवन करता है, सूई के द्वारा हटाए गए पानी का भार सूई के भार से कम होता है जिससे सूई पानी में डूब जाती है तथा जहाज पानी में तैरता रहता है।
89. भारत का स्वदेशी निर्मित दूसरी पीढ़ी का पहला उपग्रह इनरोट-2 है।
90. सूर्य के प्रकाश की सहायता से शरीर में विटामिन D का निर्माण होता है।
91. हैली पुच्छल तारा प्रति 76 वर्ष बाद दिखाई पड़ता है।
92. पराश्रव्य तरंगों की सहायता से चमगादड़ें रात में सुरक्षित उड़ती हैं।
93. HIV विषाणु से एड्स रोग होता है।
94. रक्त का थक्का जमाने में विटामिन K सहायक होती है।
95. एम्पियर सेकेण्ड आवेश की मात्रा का मात्रक है।
96. लॉफिंग गैस नाइट्रस ऑक्साइड है।
97. बाह्य चुम्बकीय प्रभावों से वैज्ञानिक यंत्रों की रक्षा लीह कवर में रखकर की जाती है।
98. परमाणु बिजली घरों में नाभिकीय संलयन प्रकार की अभिक्रिया होती है।
99. Y किरणों पर किसी प्रकार का आवेश नहीं होता है।
100. शरीर का सम्पूर्ण रक्त वृक्क के माध्यम से सुरक्षित होता है।
101. हाइड्रोफाइट जलीय पौधों को कहते हैं।
102. दो समानतर दर्पणों के बीच रखी वस्तु के अनन्त प्रतिबिम्ब बनते हैं।
103. दो समानतर दर्पणों के बीच रखी वस्तु का सबसे अधिक चमकीला प्रतिबिम्ब दूसरा प्रतिबिम्ब होता है।
104. तेल का जल की सतह पर फैल जाने का कारण तेल का पृष्ठ तनाव जल की अपेक्षा कम होता है।
105. पेन्सिल लैंड ग्रेफाइट की बनी होती है।
106. सड़क पर चलने की अपेक्षा बर्फ पर चलना कठिन होता है क्योंकि बर्फ में सड़क की अपेक्षा घर्षण कम होता है।



107. लोलक घड़ियाँ गर्मियों में सुस्त हो जाती हैं क्योंकि लोलक की लम्बाई बढ़ जाती है जिससे घड़ी सुस्त हो जाती है।
108. ऊँचे स्थानों पर पानी 100° C से कम ताप पर उबलता है, क्योंकि वहाँ वायुमण्डलीय दाब कम होता है।
109. पीतल, जस्ता और तांबा की मिश्र धातु है।
110. मैरि के दाब ज्ञात करने वाला यंत्र मैरिमीटर कहलाता है।
111. भाभा एटॉमिक रिसर्च सेक्टर ट्रॉम्बे में स्थित है। पाँचवें नाभिकीय रिएक्टर का नाम ध्रुव है।
112. श्रमशायी रस में पाया जाने वाला एम्जाइम ट्रिप्सिन है, जो प्रोटीन या पेप्टोन को छोटे पेप्टाइड्स में बदलता है।
113. मनुष्य में दाढ़ रोग के रोगकारक कवक का नाम माइक्रोस्पोरम है।
114. रक्वी नामक रोग विटामिन C के अभाव के कारण होता है।
115. सबसे भारी धातु श्रोसमियम है।
116. विद्युत का सबसे अच्छा चालक चाँदी है।
117. पोटेशियम का अयस्क 'कार्नेलाइट'  $KCl$ ,  $MgCl_2 \cdot 6H_2O$  है।
118. यूरेनियम के नाभिकीय विघटन में अन्ततः सीसा प्राप्त होता है।
119. ध्वनि को मापने की इकाई डेसीबल है।
120. स्टेनलेस स्टील क्रोमियम, लोहा और निकेल धातुओं को मिश्रित करके बनाया जाता है।
121. मधुमेह के रोगी के पेशाब में शर्करा की अधिकता हो जाती है।
122. स्वचालित ब्रेक पाश्केल के नियम के आधारे पर बने हैं।
123. डी.एन.ए संश्लेषण का प्रतिपादन किशने किया था? उत्तर - कॉर्नबर्ग ने।
124. फोटोग्राफी में प्रयुक्त होने वाले हाइपो का रासायनिक नाम सोडियम थायो सल्फेट है।
125. भोपाल गैस दुर्घटना में मिर्क का रिसाव हुआ था इस गैस का पूरा नाम मिथाइल आइसो सायनेट  $CH_3NCO$  है।
126. गेहूँ का वैज्ञानिक नाम ट्रिटिकम ऐस्टिवम तथा ट्रिटिकम वल्गेयर है।
127. श्रोक्जेनोमीटर से पौधों की रेखीय वृद्धि दर मापी जाती है।
128. कमरे में रखे रेफ्रिजरेटर का दरवाजा खोलने से कमरे का ताप बढ़ जाता है।
129. मनुष्य की श्रव्यता की सीमा 20 हर्ट्स से 20000 हर्ट्स तक है।
130. हरा कशीश का रासायनिक सूत्र  $FeSO_4 \cdot 7H_2O$  है।
131. कैलोमेल का रासायनिक नाम मरक्यूरस क्लोराइड है।
132. विद्युत तीव्रता का मात्रक न्यूटन/कूलॉम है।
133. विटामिन E का रासायनिक नाम टोकोफेरॉल है।
134. भारी जल ड्यूटीरियम ऑक्साइड ( $D_2O$ ) है।
135. ट्रैकोना रोग श्लेष्म से सम्बन्धित रोग है।
136. हेपेटाइटिस-बी वायरस पीलिया रोग के लिए जिम्मेदार है।
137. एपिलेप्सी रोग का सम्बन्ध नाडी संस्थान से है।
138. AB रक्त समूह वाला व्यक्ति A, B, AB तथा O रक्त समूह के व्यक्ति से रक्त ग्रहण का शकता है।
139. चेचक के टीके की खोज एडवर्ड जेनर ने की थी।
140. दूध एक आदर्श आहार है, लेकिन इसमें आयतन एवं कॉपर तत्वों की कमी होती है।
141. शैलिंग प्रतिशत द्वारा मूंगफली में दानों का प्रतिशत ज्ञात किया जाता है।
142. शानेन बकरी को विश्व की दूध की रानी नाम से भी जाना जाता है।
143. हस्त चालित चारा काटने की मशीन में फ्लाई व्हील बलवां लोहे का बना होता है।
144. प्रति सौ ग्राम भैंस के दूध से 90 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है।
145. मनुष्य के रक्त में लाल रंग का कारण हीमोग्लोबिन है।
146. मनुष्य में गेरिट्रक रस आमाशय से स्रावित होता है।
147. द श्रोडिजिन ऑफ स्पीशीज पुस्तक डॉर्विन ने लिखी थी।
148. प्रोसेसर की गति मेगाहर्ट्ज या गीगाहर्ट्ज में मापी जाती है।
149. डीटीपी का टीका बच्चों को टिटनेस, डिप्थीरिया तथा हूपिंग कफ से रक्षा के लिए लगाया जाता है।
150. वयस्क मनुष्य में हृदय चक्र का समय 0.8 सेकेण्ड होता है।
151. मछलियों में श्वसन हेतु क्लोम अंग होता है।
152. वाटसन व क्रिक को जीवविज्ञान में नोबल पुरस्कार डीएनए के उबल हैलीकल मॉडल की खोज के लिए दिया गया।
153. बैक्टीरिया की खोज एन्टोनी-वॉन- लुइवेन हॉक ने की थी।
154. विज्ञान की शाखा एग्रोस्टोलॉजी में घास का अध्ययन किया जाता है।
155. मानव शरीर में विटामिन K का निर्माण कोलन में बैक्टीरिया द्वारा होता है।
156. पीडियाट्रिकस का सम्बन्ध बच्चों के रोगों से है।

157. हाइपोग्लाइसेमिया रक्त में ग्लूकोस की कमी से होता है ।
158. हाइयोमीटर से श्रापेक्षिक श्रद्धता मापी जाती है ।
159. हाइड्रोमीटर यंत्र से श्रापेक्षिक घनत्व मापा जाता है ।
160. रासायनिक दृष्टि से चीनी कार्बोहाइड्रेट (शुक्रोज) है
161. पायराइट खनिज को बेक्कूफे का रौना कहा जाता है ।
162. एन्टीपायरेटिक दवा बुखार कम करने के लिए ली जाती है ।
163. मूत्र का पीला रंग यूरोक्रोम के कारण होता है ।
164. हाइपोकोण्ड्रिया अपने स्वास्थ्य के विषय में श्रामान्य मानसिक चिन्ता की बीमारी है ।
165. नेत्रदान में रोगी में श्रॉख के कॉर्निया भाग का प्रतिरोपण किया जाता है ।
166. पैलाग्रा रोग नियासिन की कमी के कारण होता है
167. चन्द्रमा के तल से श्राकाश का काला दिखना प्रकाश के प्रकीर्णन के कारण होता है ।
168. खतरा होने का कारण वायरस है ।
169. सामान्य स्थितियों में हृदय से श्राने वाले रक्त का 24 प्रतिशत भाग शुद्ध होता है ।
170. नायलॉन प्लास्टिक के श्राविष्कारक कारोथर थे ।
171. रूटाइल टाइटेनियम का श्रयस्क है ।
172. लेड श्रॉक्साइड का व्यापारिक नाम लिथार्ज है ।
173. हिन्दुस्तान श्रॉर्गेनिक केमीकल्स लिमिटेड कोलाबा (महाराष्ट्र) में स्थित है ।
174. स्तनधारी प्राणियों में रक्त का सबसे श्रधिक तापमान क्हेल में होता है ।
175. रेडियो एक्टिवता की इकाई बेक्युरेल है ।
176. ध्वनि से संबंधित विज्ञान एकोस्टिक कहलाता है ।
177. इलेक्ट्रॉन की विश्रम ऊर्जा 0.51 Mev होती है ।
178. प्रदीप्ति घनत्व का मात्रक लक्स (LUX) होता है ।
179. बादल का हवा में तैरने का कारण वायु की श्रानता एवं कम घनत्व है ।
180. जीवन के उद्भव का प्रथम वैज्ञानिक विवरण ए. श्राई. श्रोपेरिन ने प्रस्तुत किया ।
181. इन्सुलिन की खोज एफ. जी. बेपिंग्टन ने की थी ।
182. सुपर फॉस्फेट उर्वरकों का सूत्र  $Ca(H_2PO_4)_2$  है ।
183. पानी का श्रधिकतम घनत्व  $4^\circ C$  पर होता है ।
184. ड्रॉप्सी की बीमारी के लिए श्राजजीमोब मिलावटी तेल उत्तरदायी है ।
185. हड्डियों में फॉस्फोरस, कैल्शियम फॉस्फेट के रूप में पाया जाता है ।
186. रौनार उपकरण द्वारा ध्वनि तरंगों का प्रयोग करके समुद्र की गहराई मापी जाती है ।
187. मूत्र में एल्युमिन श्राने से वृक्क में गडबड होने की सम्भावना होती है ।

188. मैग्नीट से मैटों का दाब नापते हैं ।
189. पाइरोडॉक्सिन विटामिन B<sub>6</sub> का रासायनिक नाम है
190. चार श्रद्धश्रायुओं के पश्यात किती रेडियो एक्टिव पदार्थ का 1/6 भाग विघटित रह जाएगा ।
191. शुष्कछिपाक विटामिन A की कमी के कारण होता है
192. सोडियम शिलिकेट को सोडियम का वाटर ग्लास कहा जाता है ।
193. चुम्बकीय दृष्टि से श्रॉक्सीजन अनुचुम्बकीय है ।
194. रदरफोर्ड ने भौतिकी में प्रोटॉन की खोज की थी ।
195. रक्त का थक्का हीमोफीलिया रोग में नहीं जमता ।
196. डीएनए (DNA) केन्द्रक में उपस्थित रहता है ।
197. श्रानुवांशिकता की भूमिका ग्रेगर जॉन मेण्डल ने निर्दिष्ट की थी ।
198. एक परमाणु द्रव्यमान इकाई (1 AMU) को पूर्ण रूप से ऊर्जा में परिवर्तित करने पर 931 MeV ऊर्जा मुक्त होती है ।
199. पानी में हवा का बुलबुला श्रवतल लैस की भाँति कार्य करता है ।
200. इलेक्ट्रॉन-वोल्ट ऊर्जा का मात्रक है ।
201. शानुन के बुलबुले में रंग प्रकाश की घटना व्यतिकरण के कारण दिखाई देते हैं ।
202. गतिमान श्रवेश चुम्बकीय क्षेत्र तथा विद्युत क्षेत्र दोनों उत्पन्न करता है ।
203. डायनामाइट का श्राविष्कार श्रल्फ्रेड नोबेल ने किया था ।
204. किती तारे का रंग तारे के ताप का परिचायक होता है ।
205. श्रॉर्गेनटाइट चाँदी का श्रयस्क है ।
206. दूध का pH का मान 6.6 होता है ।
207. मनुष्य के शरीर में पित्त यकृत में बनता है तथा गाल ब्लैडर में एकत्रित होता है ।
208. मानव शरीर की सबसे छोटी माँशपेशी स्टेपिडयस होती है ।
209. हिस्टोलॉजी में ऊतकों का श्रध्ययन किया जाता है ।
210. श्रायोडीन टिंचर श्रायोडीन का एल्कोहॉली विलयन होता है ।
211. रेडियो तरंगें वायुमण्डल के श्रायनमण्डल से परावर्तित होती हैं ।
212. टमाटर का रंग पकने पर क्रोमोप्लास्ट के कारण लाल हो जाता है ।
213. पारिस्थितिकी जीव व पर्यावरण के सह-सम्बन्धों से सम्बन्धित है ।
214. भारत में श्रन्तरिक्ष श्रायोग की स्थापना जून 1972 हुई ।
215. सर्वप्रथम कृत्रिम गर्भाधान भारत में सन् 1942 में प्राप्त किया गया ।
216. श्राई राइट विकलांगों का कम्प्यूटर है ।

217. पृथ्वी से पलायन वेग का मान 11.2 किमी/सेकण्ड होता है ।
218. इन्द्रधनुज अपवर्तन, विक्षेपण, पूर्ण आन्तरिक परावर्तन का उदाहरण है ।
219. पुष्प विभिन्न रंगों के होते हैं, क्योंकि उनमें एन्थोसाइनिन पाया जाता है ।
220. सेब का खाने योग्य भाग रसदार थैलामस है ।
221. मानव शरीर में एक मिनट में 72 बार हार्ट बीट्स होती है ।
222. स्वयं बिना बदले रासायनिक अभिक्रिया की दर में परिवर्तन लाने वाले पदार्थ को उत्प्रेरक कहते हैं ।
223. फारेनहाइट पैमाने के अनुसार पानी का सामान्य क्वथनांक 212° F होता है ।
224. समान परमाणु संख्या लेकिन अलग द्रव्यमान संख्या वाले परमाणु समस्थानिक कहलाते हैं ।
225. बोकारो स्टील प्लांट पूर्व सोवियत संघ के सहयोग से बना है ।
226. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को मनाया जाता है ।
227. राइबोफ्लाविन विटामिन- B<sub>2</sub> है ।
228. मधुमक्खियों के काटने पर फार्मिक अम्ल के कारण दर्द होता है ।
229. श्वेत शक्ति शक्ति है ।
230. हेमेटाइट आयरन का अयस्क है ।
231. सूर्य में ऊर्जा का निर्माण नाभिकीय संलयन की प्रक्रिया से होता है ।
232. भू-पर्पटी में सर्वाधिक पाया जाने वाला तत्व ऑक्सीजन है ।
233. ध्वनि का वेग अनुमानतः 330 मी./सेकण्ड होता है ।
234. सर सी. वी. रमन को भौतिकी का नोबेल पुरस्कार 1930 में मिला था ।
235. कम्प्यूटरों के इन्टीग्रेटेड सर्किटों के लिए चिप्स साधारणतया सिलिकॉन के बनाए जाते हैं ।
236. मनुष्य शरीर की सबसे लम्बी हड्डी फीमर है ।
237. ब्लू विट्रॉल के नाम से कॉपर सल्फेट को जाना जाता है ।
238. पौधे के तने से हल्दी प्राप्त होती है ।
239. होलोग्राफी वस्तु के त्रिविमीय प्रतिरूप को अंकित करने एवं पुनरावृत्ति करने की तकनीक है ।
240. टेसामाइसिन नामक एन्टीबायोटिक स्ट्रेप्टोकोकस रिमोसस जीवाणु से प्राप्त होता है ।
241. ध्वनि की चाल पर दाब का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।
242. कॉस्मिक किरणों की खोज ए. मिलिकन ने की थी।
243. चालक की वैद्युत प्रतिरोधकता का मात्रक ओम है ।
244. जर्मन शिल्पर में ताँबा, निकेल तथा जिंक होते हैं

245. चुम्बक झुकाव की समान स्थिति दर्शाने वाली रेखा को आइसोक्लीनिक रेखा कहते हैं ।
246. पक्षियों की पूंछ हवा में उड़ते समय संतुलन बनाए रखने के काम आती है ।
247. कोशिका का शक्ति गृह माइटोकॉण्ड्रिया को कहते हैं।
248. घरों में बिजली सप्लाई के लिए तीन तरह के तारों का प्रयोग करते हैं, लाइव, न्यूट्रल और अर्थ। इसी क्रम में तारों का रंग लाल, काला और हरा होता है ।
249. तारा बनने की प्रक्रिया का प्रारम्भ हाइड्रोजन व हीलियम से होता है ।
250. कृत्रिम उपग्रह में ऊर्जा का स्रोत सौर बैटरी होता है ।
251. आकाश का सबसे चमकीला तारा साइरस है ।
252. ऑक्सीकरण की क्रिया में इलेक्ट्रॉनों में हानि होती है ।
253. नोबल गैसों किसी अन्य परमाणु से क्रिया नहीं करती क्योंकि इनकी बाहरी कक्षा में आठ इलेक्ट्रॉन होते हैं ।
254. पानी में शबुन घोलने से पृष्ठ तनाव कम हो जाता है ।
255. पटाखों में लाल रंग स्ट्रॉशियम की उपस्थिति के कारण होता है ।
256. फलों को पकाने के लिए एथिलीन गैस का प्रयोग किया जाता है ।
257. फलों का अध्ययन पोमोलॉजी में किया जाता है ।
258. शक्त कोष में शक्त सोडियम नाइट्रेट व डेक्स्ट्रेट के साथ मिलाकर रखा जाता है ।
259. प्रकाश में ध्रुवण की घटना प्रकाश की तरंगों सिद्ध करती है ।
260. एक प्रकाश वर्ष में  $9.46 \times 10^{12}$  किमी. होते हैं ।
261. हुक का नियम भौतिक विज्ञान से संबन्धित है ।
262. डॉप्लर प्रभाव ध्वनि तथा प्रकाश से सम्बन्धित है ।
263. मेण्डल का नियम अनुवांशिकता से सम्बन्धित है ।
264. स्टील पर जिंक की परत चढ़ाने को गैल्वेनाइजेशन कहते हैं ।
265. यांत्रिक ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलने वाला यंत्र डायनमो है ।
266. सूक्ष्म कणों की किसी द्रव या गैस में दिशाहीन स्वच्छन्द गति को ब्राउनियन गति कहते हैं ।
267. विज्ञान की शाखा फोटोसोनिकस से पौधों पर ध्वनि के प्रभाव का अध्ययन किया जाता है ।
268. क्रेस्कोग्राफ यंत्र से पौधों की वृद्धि दर मापी जाती है ।
269. प्रोटीन एमिनो अम्लों से मिलकर बने होते हैं ।
270. विटामिन C अम्लीय है ।
271. बैलिस्टिक गैल्वेनोमीटर से क्षणिक आवेश मापते हैं।
272. 'शण्ट' का स्थायी रूप से उपयोग अमीटर यंत्र में किया जाता है ।

273. कम्प्यूटर से सम्बन्धित शब्द अर्थ हैं - Common Business Oriented Language
274. गैस विक्षरण का नियम ग्राहम ने प्रतिपादित किया था।
275. खाने के लोहे का रासायनिक नाम सोडियम बाई कार्बोनेट है।
276. केल्विन पैमाने पर सामान्य वायुमण्डलीय दाब पर पानी का क्वथनांक 373 K होता है।
277. भारतीय मोर का जीव वैज्ञानिक नाम पेपो क्रिस्टेटस है।
278. शरीर में स्क्वाल्पाता की बीमारी को एनीमिया नाम से पुकारा जाता है।
279. लाइटनिंग कंडक्टर का आविष्कार करने वाले बेंजामिन फ्रैंकलिन अमरीकी वैज्ञानिक थे।
280. 98.6°F तापक्रम का मान सेंटीग्रेड इकाई में 37°C होता है।
281. विद्युत की वह मात्रा जिससे 108 ग्राम चाँदी कैथोड पर जमा होती है, एक फैराडे कहलाती है।
282. पृथ्वी की आयु यूरेनियम डेटिंग विधि से ज्ञात करते हैं।
283. नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बम में प्लूटोनियम का प्रयोग किया गया था।
284. हरी एवं चैज के प्रयोग से यह साबित हुआ कि डी. एन. ए. एक अनुवांशिक पदार्थ है।
285. सिस्के में एसीटिक अम्ल होता है।
286. हेमेटाइट खनिज से लोहा धातु प्राप्त होता है।
287. यूरिया कार्बनिक यौगिक सर्वप्रथम संश्लेषित किया गया था।
288. सोडियम की खोज करने वाले वैज्ञानिक हुफ्रीडेवी थे।
289. केवराटोमलेशिया या जीरोफ्थेल्मिया रोग विटामिन A की कमी का लक्षण है।
290. टमाटर के फलों का लाल रंग लाइकोपीन के कारण होता है।
291. क्लोरीन, ब्रोमीन और आयोडीन हैलोजन परिवार के तत्व हैं।
292. बिजली चमकने के कारण हवा में मौजूद ऑक्सीजन और नाइट्रोजन का कुछ भाग नाइट्रोजन ऑक्साइड में परिवर्तित हो जाता है।
293. संकट अवस्था में हमें प्रतिकूल परिस्थिति से निपटने के लिए एड्रीनल ग्रंथि का स्रावण तैयार करता है।
294. मादा एनाफ्लीज मच्छर के मुखांग में चुभने वाले अंग मैकिल्ला और मैण्डिबल होते हैं।
295. परमाणु भट्टियों में भारी जल का प्रयोग मंदक के रूप में किया जाता है।

296. गीताखोर समुद्र के अन्दर शॉल लेने के लिए हीलियम और ऑक्सीजन गैसों के मिश्रण का उपयोग करते हैं।
297. जूल/सेकण्ड शक्ति का मात्रक है।
298. फेरल का नियम हवा की दिशा के भौतिक कार्य से सम्बन्धित है।
299. 'फोबोस' एवं 'डियोस' मंगल ग्रह के उपग्रह हैं।
300. इंजेक्शन देने समय प्रयुक्त जल आसवन विधि द्वारा तैयार होता है।
301. गंधक के साथ रबर को गर्म करने की क्रिया को वल्कनीकरण कहते हैं।
302. बैक्टीरियोफेज बैक्टीरिया का परजीवी वाइरस है।
303. रेडियो ऐक्टिवता में बीटा किरणें ऋणावेशित होती हैं।
304. काँच पर लिखने के लिए हाइड्रोजन फ्लोराइड अम्ल का प्रयोग किया जाता है।
305. शुद्ध सोना 24 कैरेट का होता है।
306. किसी चालक के सिरों के बीच विभवान्तर 32V में बढ़ने वाली धारा के समानुपाती होता है - ओम का नियम
307. स्टार्च को माल्टोज में परिवर्तित करने वाला एन्जाइम एमाइलेज है।
308. परमाणु घड़ी पीजोइलेक्ट्रिक प्रभाव के अन्तर्गत कार्य करती है।
309. प्रत्येक पदार्थ में उसके द्रव्यमान के कारण ऊर्जा भी होती है यह शिद्धांत आइंस्टीन ने प्रतिपादित किया था।
310. आग लगाने वाले नापाम बम में आग उत्पन्न करने वाला मुख्य पदार्थ नेफ्थेनेट पामीटेट है।
311. हवाई जहाज को बनाने में कार्बन फायबर का प्रयोग किया जाता है।
312. जल के प्रवाह में बरनौली का नियम लागू होता है
313. वायु में ध्वनि का वेग अर्द्धता बढ़ जाने की अवस्था में बढ़ जाता है।
314. ऑटो में लाइसोजाइम एन्जाइम होता है जिससे जीवाणु मर जाते हैं।
315. परमाणु रियेक्टर तथा परमाणुबम में मूल अन्तर - परमाणुरियेक्टर में श्रृंखला अभिक्रिया नियंत्रित होती है, जबकि परमाणु बम में अनियंत्रित
316. किसी वस्तु का वेग दोगुना करने से उसकी गतिज ऊर्जा चार गुनी हो जाती है।
317. घर्षण की कमी के कारण बर्फ पर चलना कठिन होता है।
318. झील में फेंके हुए पत्थर के डूबने पर उत्क्षेप बल नियत रहता है।
319. बिजली के बल्ब में फिलामेंट से काँच तक ऊष्मा विकिरण विधि से संचारित होती है।
320. अगर वायुमण्डल न होता, तो दिन की लम्बाई कम हो जाती।

कम्प्यूटर

## कम्प्यूटर

- डॉ. डगलस इंजेलबार्ट (Dr. Douglas Engelbart) ने 1964 माउस का आविष्कार किया।
- प्रथम वेबसाइट के निर्माण के श्रेय टिम बर्नर्स ली (Tim Berners Lee) को हैं। इन्हें World Wide Web का संस्थापक कहा जाता है।
- बिल गेट्स (Bill Gates) तथा पाल एलेन (Paul Allen) ने मिलकर 1975 में माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन की स्थापना की।
- बिल गेट्स प्रसिद्ध पुस्तक "The Road Ahead" 1995 में लिखी गई। वर्तमान में वे "Bill and Melina Gates Foundation" द्वारा सामाजिक कार्यों में लगे हैं।
- भारत के शबीर भाटिया (Sabeer Bhatia) ने फ्री इमेल सेवा हॉटमेल (Hotmail) को जन्म दिया।
- ब्ल्यूटूथ एक बेतार तकनीक (Wireless Technology) है जिसके द्वारा मोबाइल फोन के जरिये कम दूरी में कंप्यूटर और विभिन्न उपकरणों को जोड़ा जाता है।
- बैंकों में एटीएम (Automatic Teller Machine) नेट (WAN) का एक उदाहरण है।
- WiFi का अर्थ है wireless Fidelity इसका प्रयोग बेतार तकनीक द्वारा कंप्यूटर के दो उपकरणों के बीच संबंध स्थापित करने के लिए किया जाता है।
- WAP (Wireless Access Point) एक युक्ति है जो विभिन्न संचार माध्यमों को जोड़कर एक बेतार नेटवर्क बनाता है।
- कंप्यूटर के Standby Mode में मॉनिटर तथा हार्ड डिस्क ऑफ हो जाता है ताकि कम ऊर्जा खपत हो। किसी भी बटन को दबाने या माउस क्लिक करने से कंप्यूटर Standby Mode से बाहर आ जाता है।
- ऑप्टिकल माउस (Optical Mouse) में माउस पैड की जरूरत नहीं पड़ती क्योंकि इसमें कोई घुमने वाला भाग नहीं होता।
- Hyper Text एक डॉक्यूमेंट है जो उस वेब पेज को दूसरे डॉक्यूमेंट के साथ जोड़ता है।
- Blog शब्द Weblog से बना है। Blog किसी व्यक्ति द्वारा निर्मित वेब साइट है जहां वह अपने विचार, अनुभव या जानकारी रख सकता है। इस वेब साइट को पढ़ने वाले अन्य व्यक्ति भी इस विषय पर अपनी टिप्पणी दे सकते हैं।
- Beta Release किसी सॉफ्टवेयर या तकनीक की उपयोगिता को परखने के लिए निर्माण के दौरान उसे बाजार में जारी करने को कहा जाता है।
- पॉप अप (Pop-up) वेब ब्राउजिंग के दौरान स्वयं खुलने वाला विज्ञापन का विण्डो है।
- की.बोर्ड की संरचना के निर्माण का श्रेय क्रिस्टोफर लॉथम शोल्स (Christopher Latham Sholes) को कहा जाता है।
- डिजिटल कॉम्पैक्ट डिस्क (DCD) का आविष्कार 1965 में जैम्स रसेल (James Russell) ने किया।
- बॉब नोयी (Bob Noyce) तथा गार्डन मुरे (Gordon Moore) ने सम्मिलित रूप से इंटेल (Intel) नामक कंपनी की स्थापना की।
- मोटोरोला (Motorola) के डॉ. मार्टिन कूपर (Dr. Martin Cooper) ने मोबाइल फोन का आविष्कार किया।

- जीएसएम (GSM-Global System For Mobile Communication) मोबाइल फोन के लिए प्रयुक्त एक लोकप्रिय मानक है।
- सीडीएमए (CDMA-Code Division Multiple Access) मोबाइल नेटवर्क स्थापित करने की व्यवस्था है।
- कैलकुलेटर तथा कम्प्यूटर में अंतर यह है कि कम्प्यूटर को एक साथ कई निर्देश या निर्देशों का समूह दिया जा सकता है तथा यह एक साथ कई कार्य कर सकता है। इसके विपरीत कैलकुलेटर को एक साथ एक ही निर्देश दिया जा सकता है।
- प्रथम व्यावसायिक इंटीग्रेटेड चिप का निर्माण फेयर चाइल्ड सेमीकंडक्टर कॉर्पोरेशन (Fair Child Semiconductor Corporation) ने 1961 में किया।
- मॉनीटर का आकार मॉनीटर के विकर्ण की (Diagonal) लम्बाई में मापा जाता है।
- फ्लोपी डिस्क का आविष्कार IBM के वैज्ञानिक एलान शुगार्ट (Alan Shugart) ने 1971 में किया।
- मानव मस्तिष्क और कम्प्यूटर में सबसे बड़ा अंतर यह है कि कम्प्यूटर की स्वयं की सोचने की क्षमता नहीं होती।
- होम थियेटर एक पर्सनल कम्प्यूटर है जिसका प्रयोग मनोरंजन के लिए किया जाता है। इसमें वीडियो प्लेयर, आडियो/वीडियो रिकॉर्डर, टेलीविजन गैस, इंटरनेट जैसी अनेक सुविधाएं रहती हैं।
- कम्प्यूटर प्लेटफॉर्म का तात्पर्य कम्प्यूटर में प्रयुक्त अपरेटिंग सिस्टम से है जो अन्य प्रोग्राम के क्रियान्वयन के लिए आधार तैयार करता है। एक प्लेटफॉर्म में चलने वाले प्रोग्राम सामान्यतः दूसरे प्लेटफॉर्म में नहीं चलते हैं।
- अमेरिका के विंटेन सेर्फ (Vinton Cerf) को इंटरनेट का जनमदाता (Father of the Internet) कहा जाता है।
- नेटीकेट (Netiquette-Net+ etiquette) इंटरनेट प्रयोग के समय किये जाने वाले अपेक्षित व्यवहारों और नियमों का समूह है।
- इंटरनेट का संचालन किसी संस्था या सरकार या प्रशासन नियंत्रण से मुक्त है।
- जीपीआरएस (GPRS-General Pocket Radio Service) वायरलेस द्वारा मोबाइल फोन से इंटरनेट सुविधा के प्रयोग की तकनीक है।
- हाइपर टेक्स्ट (Hyper Text) एक व्यवस्था है जिसके तहत टेक्स्ट, रेखाचित्र व प्रोग्राम आदि को आपस में लिंक किया जा सकता है। इसका विकास टेड नेल्सन (Ted Nelson) ने 1960 में किया।
- WAP-Wireless Application Protocol मोबाइल फोन द्वारा इंटरनेट के इन्टरनेट के दौरे प्रयोग किये जाने वाले नियमों का समूह है।
- इंटरनेट फोन कम्प्यूटर और इंटरनेट का प्रयोग कर टेलीफोन कॉल स्थापित करने की प्रक्रिया है।
- इंटरनेट तथा कम्प्यूटर का प्रयोग कर किये गये अवैध कार्य, जैसे- सुरक्षित फाइलों को देखना और नष्ट करना, वेब पेज में परिवर्तन करना, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल करना, वायरलेस जारी करना आदि साइबर (Cyber Crime) कहलाता है।
- इकॉन (ICANN-Internet Corporation for Assigned Names and Numbers) इंटरनेट पर प्रत्येक कम्प्यूटर के लिए एक विशेष पता देने के उद्देश्य से 1998 में गठित एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है।

- इमोटिकॉन (Emotion-emotion + icon) एक या अधिक संकेतों का समुच्चय है जिसके द्वारा इंटरनेट पर किसी विशेष भावना को व्यक्त किया जाता है।  
जैसे:- का मतलब मुस्कुराता चेहरा है।  
मतलब दुखी चेहरा है।
- एक्स्ट्रानेट (Extranet) एक व्यक्तिगत नेटवर्क है जो व्यवसाय के लिए इंटरनेट तकनीक और शार्वजनिक संचार व्यवस्था का प्रयोग करता है।
- हैकर (Hacker) एक व्यक्ति है जो इंटरनेट पर इलेक्ट्रॉनिक सुरक्षा व्यवस्था को भेदकर मनोरंजन या उत्सुकतावश गुप्त सूचनाये प्राप्त करता है।
- ब्रिटेन के एलान टूरिंग (Alan Turing) सर्वप्रथम कृत्रिम बुद्धिमत्ता या (Artificial Intelligence) की विचारधारा रखी। पर इस क्षेत्र में अपने योगदान के कारण जॉन मैकार्थी (John Me Carthy) को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Father of Artificial Intelligence) का जनक कहा जाता है।
- डेस्कटॉप पब्लिशिंग (DTP) का विकास मैकिन्टोश (Macintosh) कंपनी द्वारा किया गया।
- इंटरनेट पर मुफ्त में उपलब्ध विश्व के सबसे बड़े इनशाक्लोपीडिया विकिपीडिया (Wikipedia) की स्थापना जिमी वेल्स (Jimmy Wales) ने किया।
- बैंगलूर स्थित इंसोसिस् टेक्नोलोजी (Infosys Technology) का प्रारंभ एन. नाशयणमूर्ति द्वारा 1981 में किया गया।
- वर्तमान में विश्व का सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर IBM का रोड रनर (Road runner) है जो 1000 ट्रिलियन गणनाएं प्रति सेकेंड कर सकता है।
- भारत का सबसे तेज सुपर कम्प्यूटर एका (Eka) है जिसका विकास टाटा ग्रुप के पुणे स्थित सीआरएल (Computational Research Laboratory) द्वारा किया गया है। यह 117.9 ट्रिलियन गणनाएं प्रति सेकेंड कर सकता है।
- विलियम हिगिनबोथम (William Higgin Botham) ने 1958 में कम्प्यूटर के प्रथम वीडियो गेम का निर्माण किया।
- माया-II (Maya II) एक DNA कम्प्यूटर है जिसमें सिलिकॉन चिप की जगह DNA धागे का प्रयोग किया गया है।
- माया (Maya) एक शक्तिशाली त्रिआयामी सॉफ्टवेयर है जिसका प्रयोग चलचित्रों और वीडियो गेम में विशेष प्रभाव डालने के लिए किया जाता है।
- एलन टूरिंग (Alan Turing) को आधुनिक कम्प्यूटर विज्ञान का जनक माना जाता है।

### कम्प्यूटर सामान्य ज्ञान Part-1

1. सेविंग की प्रक्रिया है- मेमोरी से स्टोरेज माध्यम तक दस्तावेज कॉपी करना।
2. डाइरेक्टरी के शब्द डाइरेक्टरी को कहा जाता है- सब डाइरेक्टरी।
3. C.A.D. का तात्पर्य है- कम्प्यूटर एडेड डिजाइन।
4. ओरेकल है - डाटाबेस सॉफ्टवेयर।
5. क्रोम्बल का कार्य है- क्रोम्बली भाषा को यंत्र भाषा में परिवर्तित करना।
6. भारत में सर्वप्रथम दिखाई देने वाला कम्प्यूटर वाइरल है- सीब्रेन।
7. 321 नेटवर्क टोपोलॉजी का क्या नाम है, जिसमें प्रत्येक संभावित नोड में द्विदिशीय कडियां हैं- मेश।
8. वह बिंदु जिस पर डाटा कम्प्यूटर में प्रवेश करता है या निकलता है- टर्मिनल।



9. विश्व का प्रथम कंप्यूटर नेटवर्क माना जाता है- ARPANET
10. लिनक्स एक उदाहरण है- ओपन सोर्स सॉफ्टवेयर का ।
11. पहले से चल रहे कंप्यूटर को रीस्टार्ट करना कहता है- रिबूटिंग ।
12. सॉफ्टवेयर कोड में त्रुटियां ढूंढने की प्रक्रिया को कहा जाता है- डिबगिंग ।
13. सीपीयू का वह भाग जो अन्य सभी कंप्यूटर कंपोनेट की गतिविधियों को कोऑर्डिनेट करता है-कंट्रोल यूनिट
14. कंप्यूटर में जाने वाले डेटा को कहते हैं- इपुट ।
15. कंप्यूटर में डेटा किसे कहा जाता है- चिन्ह व संख्यात्मक सूचना को ।
16. A.L.U. का पूरा नाम होता है- Arithmetic Logical Unit
17. कंप्यूटर का नियंत्रक भाग कहलाता है- सी.पी.यू.
18. कंप्यूटर के सभी भागों के बीच सामंजस्य स्थापित करता है- कंट्रोल यूनिट ।
19. माइक्रोप्रोसेसर जो कंप्यूटर का मस्तिष्क होता है, उसे कहा जाता है- माइक्रोचिप ।
20. ALU परिचालन संपन्न करता है- अर्थमेटिक ।
21. एक हार्डवेयर डिवाइस जो डाटा को अर्थपूर्ण इनफार्मेशन में परिवर्तित करता है- प्रोसेसर
22. CRAY क्या है- सुपर कंप्यूटर ।
23. टेलीप्रोसेसिंग तथा टाइमशेयरिंग का प्रयोग किस पीढ़ी के कंप्यूटर में हुआ- तृतीय पीढ़ी ।
24. वह उपकरण जो हैंडहेल्ड ऑपरेटिंग प्रणाली का इस्तेमाल करता है- पीडीए ।
25. कंप्यूटर कितने प्रकार के होते हैं- दो प्रकार के ।
26. प्वाइंट एंड ड्रॉ डिवाइस कहा जाता है- माउस को ।
27. ट्रैक बाल उदाहरण है- पॉइंटिंग डिवाइस ।
28. सॉफ्ट कॉपी एक आउटपुट है, तो हार्ड कॉपी क्या है- प्रिंटेड आउटपुट ।
29. सेकंडरी स्टोरेज मीडिया से हार्डडिस्क में सॉफ्टवेयर प्रोग्रामों को कॉपी करने की प्रक्रिया को कहते हैं- इस्टॉलेशन ।
30. किस मेमोरी में रखा डाटा बिजली जाते ही समाप्त हो जाता है- रैम
31. डीवीडी उदाहरण है. ऑप्टिकल डिस्क
32. CD-RW का पूरा नाम है- Compact Disc Rewritable
33. सूचनाएं एक यूनिट से दूसरी यूनिट तक ले जाने व उन्हें वापस लेने का काम कौन करता है- डाटा बेश
34. कंप्यूटर में अनवरत विद्युत आपूर्ति का संक्षिप्त रूप क्या है- यू. पी.एस.
35. मदरबोर्ड में क्या रहता है जो मदरबोर्ड पर सीपीयू को दूसरे पुर्जों से जोड़ता है- सिस्टम बस
36. कंप्यूटर यूजर की वैधता की पहचान करने वाली पद्धति कहलाती है- Authentication
37. मॉड्यूलैटर का सामान्य नाम है- डी. मोडेम
38. पहले से ऑन कंप्यूटर को रीस्टार्ट करने को क्या कहते हैं- वार्म बूटिंग
39. HTML डॉक्यूमेंट बनाने के लिए किसकी जरूरत होती है- टैक्स्ट एडीटर की
40. कंप्यूटर में अधिकांश प्रोसेसिंग होती है- सीपीयू में
41. वेबसाइट कलेक्शन है- वेब पेजेस का
42. किस प्रोग्रामिंग लैंग्वेज को ट्रांसलेटर की जरूरत नहीं होती है- मशीन लैंग्वेज
43. एक्सेल स्प्रेडशीट का एक्स्टेंशन है- .xlsx
44. फाइल एक्स्टेंशन किसलिए इस्तेमाल होते हैं- फाइल टाइप को आइडेंटिफाई करने के लिए

45. एक्सेल वर्कबुक संग्रह है- वर्कशीट का
46. ईसे होते हैं- मेल पते के दो भाग कौन- प्रयोक्ता का नाम और डोमेन नंबर
47. कैंड शब्द का संबंध कंप्यूटर में किससे है- डिजाइन से
48. भारत में निर्मित प्रथम कंप्यूटर का नाम क्या है-सिद्धार्थ
49. कंप्यूटर प्रोग्रामों को हाई लेवल प्रोग्रामिंग लैंग्वेज के रूप में लिखा जाता है। मानव द्वारा पढ़े जाने योग्य प्रोग्राम के अनुवाद को कहा जाता है- सोर्स कोड
50. C, BASIC, COBOL और JAVA जिस भाषा के उदाहरण हैं, उसे कहते हैं- हाई लेवल- Language
51. ASCII का पूर्ण रूप होता है- American Standard Code for Information Interchange
52. कंप्यूटर का पितामह कहा जाता है-चार्ल्स बेबेज
53. सर्वप्रथम श्लाघनिक कंप्यूटर की खोज हुई- 1946 में
54. कंप्यूटर के संचालन में प्रयुक्त प्रोग्राम, नियम तथा कंप्यूटर क्रियाओं से संबंधित अन्य लिखित सामग्री को कहा जाता है-सॉफ्टवेयर
55. कंप्यूटर के मस्तिष्क को कहा जाता है-सी. पी. यू.
56. इंटीग्रेटेड सर्किट चिप का विकास किसने किया है- जे. एच. किल्बी ने
57. इंटीग्रेटेड सर्किट चिप (I.C.) पर किस पदार्थ की परत होती है-सिलिकॉन
58. चुम्बकीय डिस्क पर किस पदार्थ की परत होती है- आयर्न ऑक्साइड
59. कंप्यूटर में किसी शब्द की लंबाई किसमें मापते हैं-बिट
60. स्टोरेज माध्यम की क्षमता इकाई है- बाइट
61. एम एच विंडोज किस प्रकार का सॉफ्टवेयर है- GUI
62. वह कौनसा डिवाइस है जो दो या अधिक नेटवर्कों का जोड़ता है- गेटवे
63. कंप्यूटरर्स विशिष्टतः किसके साथ कार्य करके, आंकड़ों की सूचना में प्रोसेसिंग करते हैं- नंबरर्स
64. निर्माण प्रक्रिया में किस मेमोरी चिप को प्रोग्राम किया जाता है- ROM
65. एक बाइट का कलेक्शन है- आठ बिट्स
66. CD-ROM किसका उदाहरण है- इनपुट डिवाइस का
67. कम्पाइलर है- स्रोत प्रोग्राम का ऑब्जेक्ट कोड में अनुवादक
68. वोलेटिलिटी किसकी प्रोपर्टी है- रैम
69. जावा उदाहरण है- उच्चस्तरीय भाषा (लैंग्वेज)
70. वह हाईवेयर डिवाइस जिस आमतौर पर कंप्यूटर मस्तिष्क कहा जाता है, वह है- सीपीयू
71. जब कंप्यूटर दिए गए अनुदेशों पर कार्य करता है, तो उसे कहा जाता है- प्रोसेसिंग
72. वह इनपुट डिवाइस, जो सुपर बाजारों में व्यापक रूप से प्रयोग की जाती है-बारकोड रीडर
73. एक कंप्यूटर प्रोग्राम- अनुदेशों का एक ऐसा सेट है, जो समस्या सुलझाने अथवा कार्य के निष्पादन में, कंप्यूटर को समर्थ बनाता है।
74. वे टर्मिनल्स जिन्हें पहले कैंस रजिस्टर्स कहते थे, प्रायः कॉम्प्लेक्स इनवेंटरी तथा विक्रय कंप्यूटर प्रणालियों से जुड़े होते हैं- प्वाइंट-ऑफ-सेल
75. वायरस, ट्रॉजन होर्स तथा वर्म्स-कंप्यूटर प्रणाली को हानि पहुंचाने में सक्षम होते हैं।
76. कंप्यूटर्स डाटा एकत्र करते हैं जिसका अर्थ है कि वे उपयोगकर्ता को अनुमति देते हैं- इपुट की
77. वे कपोनेट्स जो आंकड़ों का संसाधन करते हैं, वे स्थित होते हैं- प्रणाली यूनिट
78. सॉफ्टवेयर का अर्थ है- प्रोग्राम
79. दस्तावेज प्रिंट करने की शॉर्टकट की है- Cul +P